आदर्श शिक्षण संस्था, बीड

कालिकादेवी कला,वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, तह. शिरूर (का), जि. बीड

<u>हिंदी विभाग</u>

Department Profile

2022-2023

हिंदी का महत्व एवं व्याप्ति

भारतीय भाषाओं में हिन्दी एक प्रधान तथा सबसे अधिक प्रचलित भाषा है. उत्तरप्रदेश, म्य्रप्रदेश हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों की वह मातृभाषा है तो अन्य राज्यों में वह ,बिहार ,राजस्थान,संपर्क भाषा के रूप में अपनाई जाती है. उसकी इसी उपयोगिता के कारण यहाँ का जनसमुदाय उसे राष्ट्रभाषा के रूप में देखता है तो स्वतंत्र भारत ने उसे राजभाषा के रूप में संवैधानिक स्थान प्रदान किया है. हिंदी के आरंभ से ही वह जहाँ संपर्क भाषा के रूप में प्रथम स्थान पर रही वहीं धर्संस्कृति तथा सामाजिक मूल्यों की संवाहिका बनी रही तथा राजनीतिक क्षेत्र में भी वह प्रत्येक युग में अपनी व्यापक संपर्क क्षमता के कारण अनायास ही पूर्ण स्थान पाती रही हैगौरव. आज साहित्य के साथसाथ हिंदी में अन्य क्षेत्रों की सामग्री भी- विपुल मात्रा में उपलब्ध है. विज्ञान अंतरिक्ष तथा वर्तमान युग के सूचना ,तंत्रज्ञान ,प्रौद्योगिकी क्षेत्र का ज्ञान भंडार भी उसमें पाया जाता है. संक्षेप में समाज एवं राष्ट्र की समायोचित माँग को पूरा कने की क्षमता हिंदी में है. राष्ट्र की एकता ,अखंडता तथा राष्ट्रीय भावनाओं की संवाहिका का कार्य भी हिंदी निरंतर पूरी निष्ठा एवंईमानदारी के साथ निभाती रही है.

- हिंदी साहित्यतिहास विशेषकर विभिन्न काव्य एवं विधावो में प्राकृत अभिरुची निर्माण करना
- हिंदी भाषा का विकास, चरण, प्रभाव एवं विभिन्न परंपरागत बोलियो की जानकारी प्राप्त करना
- हिंदी अध्यापन के द्वारा साहित्य में प्रकाशित सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय मुल्यो को ग्रहण करना
- वैश्विकरण के परिप्रेक्ष्य में व्यवसाय, संचार माध्यम, विज्ञान तथा तकनिकी और राजभाषा के

  रूप में विकास की संम्भावनावो को पहचांनना

- सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रो मे सुचारू व्यवहार के लिये प्रयुक्त भाषा रूपो का अध्ययन

  करना

- सूचना प्रौद्योगिकी तथा आधुनिक सूचना तंत्र एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा प्रिंट मीडिया के

  आधुनिक रूपो को पहचानना

- वाणिज्य व्यापार की गतिविधिया, औद्योगिक क्रांती तथा मुक्त बाजार के परिप्रेक्ष्य को पहचानना
- लोकगीत, लोक् कथाये , लोकनाट्य,और लोकसाहित्य कि अन्यान्य विधावो के अध्ययन द्वारा मानवीय तथा सांस्कृतिक चेतना की गहराई को पहचानना

हिंदी भाषा विषय की उपलब्धि

- राष्ट्रभाषा से जुडणे का गौरव प्राप्त होता है
- भारतीय साहित्य (मौलिक एवं अनुदित) से परिचय होता है
- भारतराष्ट्र के सुंदर क्षेत्रो के देश,काल,वातावरण,संस्कृती रीतिरिवाज, तीज तौहार,खान पान, समस्या आदि का परिचय प्राप्त होता है
- केंद्र के कार्यालयो से लेकर दुतावासो तक में अधिकारी, कर्मचारी बनने के अवसर
- आकाशवाणी,दुरदर्शन आदि में अनुवादक,संपादक,समाचारदाता आदि के रूप में नौकरी के अवसर
- विषय के पाठ्यक्रमो मे संगणक,विज्ञापन, समाचार लेखन,फिचर लेखन,अनुवाद, प्रयोजनमुलक हिंदी आदि आधुनिक विषयो को समाहित किया गया है जो विद्यार्थी जीवन में एक नया मार्ग दिखा सकते है
- हिंदी के अद्ध्ययन से विध्यार्थी कवी, लेखक तथा हिंदी नाटक और सिनेमा आदि में भी अपना भाग्य आजमा सकते है
- रेल विभाग, राष्ट्रीयकृत बँक आदि अनेक संस्थानो में हिंदी भाषा अधिकारी के रूप में नियुक्ती हासील कर सकते है
- निश्चित रूप से किसी भी भाषा का साहित्य मनुष्य को मनुष्य बनाये रखता है और हिंदी भाषा कि यह प्रमुख उपलब्धि है

हिंदी विभाग : परिचय

- विभाग की स्थापना : सन २००२ (महाविध्यालय की स्थापना के साथ)
- विध्याशाखा : कला शाखा (सन २००२)
  वाणिज्य शाखा (सन २००३)
  विज्ञान शाखा (सन २००४)
- विभाग सेवाकर्मी : २ F.T (१ प्राध्यापक , १ सहयोगी प्राध्यापक)

अ.क्र	अध्यापक नाम	प्रथम नियुक्ती	सेवा समाप्ती	कूल अनुभव
१	डॉ. सानप शाम बबनराव (प्रोफेसर)	१६/०८/२००५	३१/०८/२०३९	१८ साल
२	डॉ. वाघमारे खंडू हनुवंत (सहयोगी अध्यापक)	१५/०६/२००९	३०/०७/२०४३	१२ साल

	डॉ. सानप शाम बबनराव (प्रोफेसर)	एम.ए.,बी.एड.,नेट,सेट, पीएच.डी.
	डॉ. वाघमारे खंडू हनुवंत (सहयोगी प्राध्यापक)	एम.ए.एम.फिल,सेट,पीएच.डी.

हिंदी विभाग : प्रकाशन, प्रशिक्षण एवं सम्मान

अ.क्र	अध्यापक नाम	आलेख प्रकाशन	पुस्तक प्रकाशन	संगोष्टी सहयोग	सम्मान	RC / OC / FDP/ PDP
१	डॉ. सानप शाम बबनराव (प्रोफेसर)	45	03	30	03	RC 02 OC 02 FDP 01
२	डॉ. वाघमारे खंडू हनुवंत (सहयोगी प्राध्यापक)	28	01	16	02	RC 03 OC 01 FDP 02

हिंदी विभाग : लक्ष

- छात्रो में राष्ट्रभाषा के प्रति रुचि निर्माण करना.
- छात्रो में संवाद कौशल का निर्माण करना.
- छात्रो को विभिन्न साहित्यिक कालखंडो का परिचय करवाना.
- छात्रो में संशोधनवृत्ती जागृत करना
- छात्रो को विभिन्न प्रतियोगिता के लिये उत्तेजित करना.

कार्यभार वितरण

1	Dr. Sanap S.B. : 20	FY	SL= 0 OPT = II&IV = 4	2
		SY	SL=4 OPT = VI&VIII = 4	8
		TY	X&XIV = 2 XI&XV = 4	6
			Total	16
2	Prof. Waghmare K.H.	FY	SL= 4 OPT = I&III = 4	8
		SY	SL= 0 OPT =V&VII = 6	6
		TY	IX&XIII = 4 X&XIV = 2	6
			Total	20

हिंदी विभाग के उपक्रम

१) प्रतियोगिता आयोजन : महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा प्रतिवर्ष हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, शुद्ध हस्ताक्षर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता तथा काव्य वाचन प्रतियोगिता आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है. जिसमे अंतिम परिणाम निकालकर प्रथम,द्वितीय और तृतीय श्रेणी के छात्रो का हिंदी दिवस के अवसर पर प्रमुख अतिथी द्वारा उचित सम्मान किया जाता है.

२) प्रतियोगिता सम्मान समारोह :

कालिकादेवी कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय का हिंदी विभाग शैक्षिक तथा सह शैक्षिक उपक्रमों में निरंतर प्रयत्नशील रहा है। शैक्षिक वर्ष २०१९ में महाविद्यालय के वर्तमान प्रधानाचार्य डॉ. तुपे संजय जी स्वय हिंदी भाषा प्रेमी होने से हिंदी विभाग को उनसे प्रेरणा मिली है। प्रतिवर्ष की परम्परा के समान इस वर्ष भी १४ सितम्बर में हिंदी दिवस समारोह या हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया था । छात्रों में राष्ट्रभाषा के प्रति रूचि निर्माण करने के उद्देश्य से इस सप्ताह में विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया था । इन प्रतियोगिता में निबंध प्रतियोगिता , शुद्धहस्ताक्षर प्रतियोगिता , काव्यवाचन प्रतियोगिता आदि प्रमुख थीं । इन प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय और तृतीय क्रम प्राप्त करने वाले छात्रों का प्रमुख अथितियों द्वारा उचित सन्मान किया गया।

कोरोना काल परिस्थिति से उभरते ही जनवरी २०२२ में हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया । समारोह के प्रमुख अथिति के रूप में सेवा निवृत प्रधानाचार्य ड़ॉ. देशमाने पार्वती जी एव ड़ॉ आबासाहेब राठौड़ थे । उन्हों नेराष्ट्रभाषा हिंदी के विकास , संघर्ष और वर्तमान पर अपना विस्तृत अभिमत प्रदर्शित किया।

<table>
<tr>
<td> </td>
<td> </td>
</tr>
<tr>
<td> </td>
<td> </td>
</tr>
</table>

३) भित्तीपत्रक प्रकाशन

महाविद्यालय की स्थापना से ही कालिकादेवी महाविद्यालय का हिंदी विभाग भित्तीपत्रक प्रकाशन के बारे में निरंतर सचेत रहा है. हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अथवा २६ जनवरी के उपलक्ष्य में विभाग के छात्रो द्वारा लिखित " आदर्शवाणी " नामक भित्तीपत्रक विमोचन और प्रकाशन किया जाता है. समारोह में उपस्थित प्रमुख अथिती के द्वारा यह विमोचन होता है.

<table>
<tr>
<td> </td>
<td> </td>
</tr>
<tr>
<td> </td>
<td> </td>
</tr>
<tr>
<td> </td>
<td>
</td>
</tr>
</table>

४) शैक्षिक भेट :

महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा प्रति वर्ष शैक्षिक भेट का आयोजन किया जाता है. यह शैक्षिक भेट मुख्यता दो प्रकार की होती है.

१. जिला स्तर के उच्च प्रतिष्टित महाविद्यालय की भाषा प्रयोगशाला का छात्रो के प्रत्यक्ष मुआयना करवाया जाता है. इसका प्रमुख उद्देश्य यह है कि भाषा प्रयोगशाला की समग्र व्यवस्था को वे आसानी से समझ सके और अन्य भाषा शिक्षण प्रणाली को विस्तार से जान सके.

२. इसी शैक्षिक भेट दूसरा पडाव है आकाशवाणी भेट. मिडिया तंत्र और सवांद कौशल ज्ञान इस भेट मुख्य उद्देश्य है. इसी लिये महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा प्रति वर्ष आकाशवाणी भेट का आयोजन किया जाता है. वृतांत लेखन से लेकर वृतांत प्रसारण तक की समग्र विधि का ज्ञान प्राप्त करना इंस भेट मुख्य उद्देश्य है.

<table>
<tr>
<td> </td>
<td> </td>
</tr>
<tr>
<td> </td>
<td> </td>
</tr>
</table>

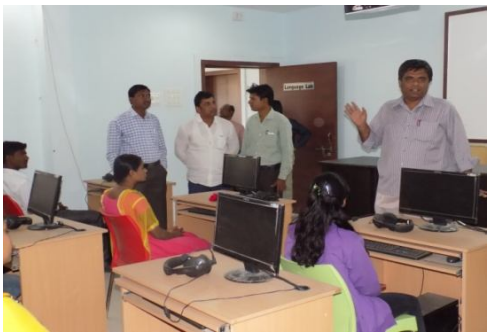

भविष्य की योजना

१. ICT प्रणाली का अत्याधिक प्रयोग करना (२०२०)
२. शैक्षिक एवं सहशैक्षिक भेट का आयोजन करना (२०२१)
३. भाषा प्रयोगशाला का निर्माण करना (२०२२)
४. राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्टी का आयोजन करना (२०२२)
५. हिंदी भाषा का संशोधन केंद्र विकसित करना (२०२३)